भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 4789
गुरुवार, 21 अगस्त, 2025/30 श्रावण,1947 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

फुरसतगंज विमानपत्तन का विकास

4789. श्री किशोरी लाल:

प्रो. सौगत राय:

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले में फुरसतगंज विमानपत्तन या फुरसतगंज एयरफील्ड के पूरा होने की प्रत्याशित समय-सीमा क्या है;

(ख) दिल्ली-एनसीआर क्षेत्रों के लिए सीधी उड़ानें जैसी पूर्ण सेवाएं शुरू करने में अनुचित देरी के क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार ने लक्षित अवसंरचना परियोजनाओं या विशिष्ट वायु अवसंरचना विकास परियोजनाओं की रूपरेखा तैयार की है;

(घ) यदि हाँ, तो उक्त परियोजनाओं में शामिल विमानपत्तनों सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) 1986 में स्थापित विमान प्रशिक्षण स्कूल तथा सरकार के अधीन एयरफील्ड के साथ सह-स्थित, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी की अवसंरचनात्मक सुविधाओं और शैक्षणिक मानकों को उन्नत करने के लिए अब तक उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) से (घ): फुरसतगंज हवाईपट्टी को उड़ान 4.1 बोली दौर के अंतर्गत विकास और आरसीएस उड़ानों के परिचालन के लिए चिह्नित किया गया था।

आरसीएस - उड़ान एक चल रही बाजार-आधारित योजना है, जिसके अंतर्गत असेवित और अल्पसेवित हवाईपट्टियों तक संपर्क बढ़ाने के लिए समय-समय पर बोली दौर आयोजित किए जाते हैं। एयरलाइनें बोली दौर के दौरान किसी विशेष मार्ग पर मांग के आकलन के आधार पर प्रस्ताव प्रस्तुत करती हैं। हवाईअड्डों के तैयार होने के बाद योजना के अंतर्गत मार्गों को परिचालनशील करने के लिए वैध बोलियाँ अवार्ड की जाती हैं।

फुरसतगंज हवाईअड्डे पर टर्मिनल भवन और एप्रन का निर्माण पूरा हो चुका है। उड़ान योजना के अंतर्गत हवाईअड्डे के विकास पर अब तक 22.88 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं।

हवाईअड्डों का विस्तार और उन्नयन एक सतत प्रक्रिया है और इसे समय-समय पर हवाईअड्डा प्रचालकों द्वारा भूमि की उपलब्धता, वाणिज्यिक व्यवहार्यता, सामाजिक-आर्थिक सरोकारों,

यातायात की मांग/ऐसे हवाईअड्डों से/तक परिचालन करने की एयरलाइनों की इच्छा के आधार पर शुरू किया जाता है।

(ङ): नागर विमानन मंत्रालय के तहत 1986 में स्थापित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी (आईजीआरयूए) को निम्नलिखित के साथ उन्नत किया गया है:-

-बिरसी हवाईअड्डा, गोंदिया में एक अतिरिक्त बेस के साथ सात दिन उड़ान प्रचालन।

- नए प्रशिक्षक विमान अधिग्रहण करने के लिए वित्त वर्ष 2024-25 में 25 करोड़ रुपये का बजट आवंटन।

******